

A 1. 6. 2.

प्रपत्र-23

परियोजना का नाम :- जनपद बागेश्वर में जिला योजना के अन्तर्गत गोमिना से कीम् मो. मार्ग के निर्माण

वन अधिकार अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत अनापत्ति प्रमाण-पत्र

ग्राम पंचायत का नाम किम् गौव
तहसील-कपकोट जिला-बागेश्वर

अनापत्ति प्रमाण पत्र
उत्तराखण्ड में जनपद बागेश्वर के अन्तर्गत गोमिना कीम् मो. मार्ग परियोजना के निर्माण हेतु 4.960 हे० आरक्षित वन भूमि, 1.400 हे० सिविल सोयम भूमि 0.050 हे० वन संचायत भूमि 1.400 हे० अर्थात् कुल 2.445 हे० का भूमि का सिमाग/संस्था के पक्ष में भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा प्रत्यावर्तित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया।
उक्त प्रकरण के विषय में ग्राम पंचायत गोमिना कीम् द्वारा दिनांक 25/12/14 को सम्पन्न ग्राम सभा/ग्राम पंचायत की बैठक में प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा आवेदित वन भूमि के संबंध में अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु विस्तृत धर्चा की गई। यह कि वन अधिकार अधिनियम, 2006 के प्राविधानों के तहत आवेदित वन भूमि में आदिवासी अथवा किसी गैर आदिवासी का कब्जा/कृषि कार्य है अथवा नहीं। * उपस्थित सभी ग्रामवासियों द्वारा स्पष्ट किया गया कि उक्त वन भूमि में किसी भी आदिवासी अथवा गैर आदिवासी का कब्जा/कृषि कार्य नहीं किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त परियोजना के निर्माण हेतु आवेदित वन भूमि पर ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन नहीं हो रहा है।

धर्चा के उपरान्त ग्राम सभा द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया /प्रस्ताव पारित किया गया कि ग्राम गोमिना कीम् के ग्रामवासियों को उक्त वन भूमि आदिवासी/गैर आदिवासी प्रयोक्ता एजेन्सी को परियोजना के निर्माण हेतु दिये जाने पर कोई आपत्ति नहीं है।

प्रमाणित किया जो सत्य एवं सही है।

हो/-
ग्राम सचिव

हो/-
ग्राम पंचायत कीम्
वि० ख० कपकोट बागेश्वर

नोट :- * यदि किसी आदिवासी अथवा कनकारी की निजी भूमि प्रभावित हो रही है तो तदनुसार उसका विवरण सक्त प्रपत्र में दिया जाना।
उक्त प्रपत्र उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा प्राप्त कर प्रयोक्ता एजेन्सी को उपलब्ध कराया जायेगा।

हो/-
ग्राम पंचायत गोमिना
वि० ख० कपकोट बागेश्वर
28/12/14

प्रपत्र-23.1

दिनांक 28/12/14 को ग्राम सभा की सम्पन्न बैठक की उपस्थिति

ग्राम पंचायत कीमू गांव

क्रमांक	ग्राम सभा में उपस्थित वरिष्ठ ग्रामवासियों के नाम	सामान्य
(1)	श्री. बलवंत सिंह	बलवंत सिंह
(2)	" आनंद सिंह	आनंद सिंह
(3)	लक्ष्मण सिंह	लक्ष्मण सिंह
(4)	रामचंद्र	रामचंद्र
(5)	हरमल	हरमल सिंह
(6)	लाल सिंह	लाल सिंह
(7)	केशर सिंह	केशर सिंह
(8)	Nand Lal Singh	Nand Lal Singh
(9)	Sundar Singh	Sundar Singh
(10)	केशर सिंह	केशर सिंह
(11)	भगवान सिंह	भगवान सिंह
(12)	शंकर सिंह	शंकर सिंह
	नरमल सिंह	नरमल सिंह
	नरमल सिंह	नरमल सिंह
	गोविन्द सिंह	गोविन्द सिंह
	पुष्कर सिंह	पुष्कर सिंह

प्रधान
ग्राम पंचायत कीमू
पि० अ० कपकोट, बागेश्वर

उपरोक्त ग्राम पंचायत में स्वयं मेरे
होकर अनापत्ति प्रमाण पत्र में ग्राम
वासियों की सहमति लेकर हस्तक्षर
कराये गये। जिसमें ग्राम पंचायत की
सहक बनने में कोई आपत्ति नहीं है।

सदस्य
ग्राम पंचायत कीमू
वि० अ० कपकोट, बागेश्वर
28/12/14

Kanika
J. S.
C.D.P.N.D.
KAPKOT

A 1.6.4

परियोजना का नाम :- जनपद तोगेश्वर में जिला योजना के अन्तर्गत गोजिना की झू मोटर मार्ग की निर्माण (07 Km)

कार्यालय उप जिलाधिकारी, कपकोट
अनुसूचित जनजाति और परम्परागत वनवासी अधिनियम 2006 के तहत
प्रमाण-पत्र
उपखण्ड स्तरीय समिति, कपकोट

उपखण्ड कपकोट परिक्षेत्र के अन्तर्गत गोजिना से की झू मोटर मार्ग निर्माण
07 Km (—) हे० आरक्षित वन भूमि, 2.450 हे० सिविल एवं सोयम वन भूमि 1.000 हे० का
वन 0 पंचायत भूमि, 1.400 हे० अर्थात् कुल 2.450 हे० वन भूमि) का
प्रयोक्ता एजेन्सी के पक्ष में हस्तान्तरित किये जाने हेतु अनुसूचित
जनजाति और अन्य परम्परागत वनवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 के
अन्तर्गत उपखण्ड स्तरीय समिति, (तहसील कपकोट) की दिनांक 25-12-2014 को
सम्पन्न बैठक की कार्यवाही का विवरण:-

अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता)
अधिनियम 2006 एवं नियम 2008 के अन्तर्गत उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक
श्री प्रताप सिंह रोलेय उप जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति की
अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में माननीय सदस्यों की उपस्थिति निम्नानुसार है।

- 1- श्री प्रताप सिंह रोलेय उप जिलाधिकारी अध्यक्ष
- 2- श्री राजेश कुमार प्रमाणीय वनाधिकारी सदस्य
- 3- श्री राजेश कुमार प्रमाणीय वनाधिकारी सदस्य
- 4- श्री प्रताप सिंह रोलेय उप जिलाधिकारी सदस्य

उपखण्ड सचिव द्वारा माननीय सदस्यों का बैठक में स्वागत करते हुए उप जिलाधिकारी
की अनुमति से बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गई। माननीय सदस्यों को अवगत कराया गया
कि गोजिना से की झू मोटर मार्ग की निर्माण (07 Km)

परियोजना हेतु 2.450 हे० वन
भूमि लानि 0.0 कपकोट तोगेश्वर

प्रयोक्ता एजेन्सी के पक्ष में हस्तान्तरित किये जाने हेतु प्रस्ताव माननीय सदस्यों
के समक्ष रखा गया। ग्राम सभा के अन्तर्गत वनाधिकार का कोई मामला लम्बित नहीं है। उक्त
भूमि का संबंधित ग्राम सभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव के आधार पर सार्वजनिक उपयोग
हेतु प्रत्यावर्तन की अनुशंसा की गई है।

संबंधित उप प्रमाणीय वनाधिकारी, कपकोट द्वारा अनुसूचित जनजाति एवं अन्य
परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 एवं तत्सम्बंधी नियम 2008
के प्राविधान को स्पष्ट करते हुए जानकारी से माननीय सदस्यों को अवगत कराया कि वन
अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत किसी भी दावेदार का दावा/आवेदन पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया
है। इस संघर्ष में ग्राम सभा/पंचायत द्वारा अनापत्ति जारी की जा चुकी है। अतः प्रकरण में
उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति द्वारा अनापत्ति जारी की जा सकती है।

A 1.6.5

सैठक में सर्वसम्मति से उपखण्ड कपकोट परिक्षेत्र के अन्तर्गत
गोमिन्द की म. मोटे भाग की निमाही (874) परियोजना के निर्माण हेतु 2-4-50
में वन भूमिजागीर विधायक एजेन्सी को जनहित में सक्षम प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त कर
प्रत्यावर्तित किये जाने पर सहमति व्यक्त की गयी।

उप जिलाधिकारी/अध्यक्ष
उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति
तहसील कपकोट
जनपद बागेश्वर

प्रतिनिधि : जिलाधिकारी, बागेश्वर को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

उप जिलाधिकारी/अध्यक्ष
उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति
तहसील कपकोट
जनपद बागेश्वर

प्रमुख उपजिलाधिकारी
विशेष कार्य विभाग
जनपद-बागेश्वर

A 1.6.12

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि जिला योजना के अन्तर्गत गोगिना-कीमू (7.00 किमी) नव निर्माण में स्थानीय काश्तकारों की जितनी नापभूमि सड़क निर्माण में काटी जायेगी, उस भूमि का मुआवजा नियमानुसार जिलाधिकारी, बागेश्वर द्वारा उपलब्ध सर्किल दरों के आधार पर भुगतान लोक निर्माण विभाग करेगा। यदि भू-स्वामी उपलब्ध न हो तो उस दशा में उनके आश्रितों को नियमानुसार जिलाधिकारी महोदय द्वारा भूमि अधिग्रहीत कर मुआवजा काश्तकारों को विभाग द्वारा वितरित किया जायेगा।


अधिशाली जिलाधिकारी
निर्माण, खण्ड, जिला, कपकोट
कपकोट


जिलाधिकारी
बागेश्वर

A 1.6.4.

ANNEXURA-1

Office of the Deputy Commissioner
District Bageshwar(U.K)


Proceeding of the meeting of the district level committee of the district level committee constituted under schedule tribes & other Traditional forest Dwellers (recognition of rights) act (FRA),2006.

A meeting of the district level committee of Bageshwar district, constuted under FRA, 2006 was held under the chairmanship of Mr. Bhupal Singh Manral I.A.S. deputy commissioner, Bageshwar on date. 25-12-11..at time.....at Bageshwar in which application claiming rights in Gogina-Kimu area measuring 2.450 hect for the Construction of Gogina-Kimu motor road (7.00km) of forest land under FRA 2006 of the following applicant duly processed and recommended by the sub division level committee of kapkot sub division were discussed to consider the same for admission by the district level committee.

After scrutiny of the documents and detailed discussions, no objection /claims were found to have been made & hence District level committee recommend the above case for diversion of land for the said purpose.

Place: Bageshwar

Dated: 25-12-2011


Deputy Commissioner Chairman
District Level Committe

Form-II
(for liner project)
Government of Uttarakhand
Office of the District Collector Bageshwar

NO

Dated


To WHOMSOEVER IT MAY CONCERN

In Compliance of the Ministry of Environment and Forest (MOEF), Government of India's letter No-11-9/98 FC (pt) dated 03 Aug 2009 where in the MOEF issued guidelines on submission of evidences for having initiated and completed the process of settlement of rights under the Scheduled Tribes and other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 ('FRA' for short) on the forest land proposed to be diverted for non forest proposed read with MOEF's letter dt. 5th feb 2013 wherein MOEF issued certain relaxation in respect of linear projects, it is certified that 2.450 hectares of forest and proposed to be diverted in favour of **Construction Division Public Work Department Kapkot District Bageshwar Uttarakhand for Construction of Gogina-Kimu motor road in distt-Bageshwar.**

It is further certified that :-

- (m) The Complete process for identification and settlement of rights under the FRA has been carried out for the entire 2.450 hectares of forest area proposed for diversion A copy of records of all consultations and meetings of the Forest Rights Committee (s) Gram Sabha(s) Sub-Divison Level committee(s) and District level committee are enclosed as annexure.....to annexure.....
- (n) The proposal for such diversion (with full details of the project and its implication, in vernacular/local language) have been placed before each concerned Gram Sabha of forest dwellers, who are eligible under the FRA: YES
- (o) The each of concered Gram Sabha(s), has certified that all formalities/processes under the FRA have been carried out. And that day have given their consent to the proposed diversion and the compensation and ameliorative measures, if any , having understood the purpose and details of proposed diversion A copy of certificate issued by the gram sabha of Kimu Village (s) is enclosed as annexure.....
- (p) The discussion and decisions on such proposals had taken place only when there was quorum of minimum 50% of the members of gram Sabha present: YES
- (q) The diversion of forest land for facilities managed by the Government as required under section 3 (2) of the FRA have been completed and the Gram Sabhas have given their consent to it: YES
- (r) The right of primitive gropes and pre-agricultural Communities, Where applicable have been specifically safeguarded as per section 3 (1) (e) of the the FRA: NA

Encl: As above


Bhupal Singh Maurya
District Collector
Bageshwar

A 1.6.9.

Form-1
(for liner project)
Government of Uttarakhand
Office of the District Collector Bageshwer

No.....

Dated.....

To WHOMSOEVER IT MAY CONCERN

In Compliance of the Ministry of Environment and Forest (MOEF), Government of India's letter No- 11-9/98 FC (pt) dated 03 Aug 2009 where in the MOEF issued guidelines on submission of evidences for having initiated and completed the process of settlement of rights under the Scheduled Tribes and other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 ('FRA' for short) on the forest land proposed to be diverted for non forest proposed read with MOEF's letter dt. 5th feb 2013 wherein MOEF issued certain relaxation in respect of linear projects, it is certified that **2.450** hectares of forest and proposed to be diverted in favor of **Construction Division Public Work Department Kapkot District Bageshwar Uttarakhand for Construction of Gogina-Kimu motor road in distt Bageshwer** district falls within It is further certified that :-

- (g) The Complete process for identification and settlement of rights under the FRA has been carried out for the entire **2.450** hectares of forest area proposed for diversion A copy of records of all consultations and meetings of the Forest Rights Committee are enclosed as annexure- to annexure.....Not application as there are no habitats belonging to scheduled tribes and other traditional forest Dwellers.
- (h) The diversion of forest land for facilities managed by the Government as required under section 3 (2) of the FRA I have completed and the Gram Sabha have given their consent it;.....Not application as there are no habitats belonging to scheduled tribes and other traditional forest Dwellers. No objection certificate of concerned villages regarding construction of aforesaid motor road is affixed in the forest file.
- (i) The proposal does not involve recognized rights of Primitive Tribal Groups and Pre- agricultural communities. Certificate prescribed in form 23-4 attached.

Enclosed- as above

Dated

Signature

(Bhupal Singh Manral)
District Collector

Seal

(Full name and official seal of the District Collector)

प्रपत्र-23.4

परियोजना का नाम :- जिला योजना के अन्तर्गत गोगिना कीमू (7.00 किमी) मोटर मार्ग के निर्माण हेतु वनभूमि प्रस्ताव उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग को हस्तान्तरण प्रस्ताव।

जिलाधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र

जनपद बागेश्वर में जिला योजना के अन्तर्गत गोगिना-कीमू (7.00 किमी) परियोजना के निर्माण हेतु 2.450 हे० वन भूमि निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग कपकोट (प्रयोक्ता एजेन्सी) को प्रत्यावर्तित किये जाने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली के पत्र संख्या 11-9/98-एफ०सी० दिनांक 05-02-2013 के द्वारा रेखाकार (linear) प्रयोजनों यथा-सड़क, नहर, पारेषण लाईन, ओ०एफ०सी० केबिल व पाईपलाईन बिछाने आदि के प्रकरणों को वन अधिकार अधिनियम, 2006 के प्राविधानों से मुक्त किया गया है। विषयगत परियोजना के निर्माण हेतु आवेदित वन व कृषि भूमि पर आदिकालीन जनजाति समूह (Primitive Tribal Groups) व आदिकालीन कृषि समुदाय (Pre Agricultural Tribal Groups) प्रभावित नहीं हो रहे हैं।



बि. प्रजिलाधिकारी
बागेश्वर

प्रपत्र-23.3

परियोजना का नाम :- जिला योजना के अन्तर्गत गोगिना कीमू (7.00 किमी) मोटर मार्ग के निर्माण हेतु वनभूमि प्रस्ताव उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग को हस्तान्तरण प्रस्ताव।

जिलाधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र

जनपद बागेश्वर में जिला योजना के अन्तर्गत गोगिना-कीमू (7.00 किमी) परियोजना के निर्माण हेतु 2.450 हे० वन भूमि निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग कपकोट प्रयोक्ता एजेन्सी को प्रत्यावर्तित किये जाने हेतु उप जिलाधिकारी/अध्यक्ष, उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समिति बागेश्वर तथा सम्बन्धित ग्राम सभाओं द्वारा प्रदत्त अनापत्ति प्रमाण-पत्र निर्गत किये गये हैं। वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत व संलग्न प्रमाण-पत्रों के अनुसार परियोजना के निर्माण में किसी अनुसूचित जनजाति व वनवासी की भूमि अधिग्रहित नहीं हो रही है व न ही किसी जनजाति/वनवासी के वनों पर अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। परियोजना के निर्माण से प्रभावित होने वाली वन भूमि में कोई भी दावा लम्बित नहीं है।


जिलाधिकारी
बागेश्वर